

सुघघर पढवईया योजना

चर्चा में क्यों?

17 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जन-संपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी शासकीय प्राथमिक एवं मडिलि स्कूलों में पढ़ने वालों बच्चों में उनकी प्रतभा के अनुरूप कौशल वकिसति करने के लिये 'सुघघर पढवईया योजना' शुरू की गई है।

प्रमुख बदि

- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बाल दविस के अवसर पर इस योजना की घोषणा की थी।
- इस योजना के तहत बच्चों में उत्कृष्ट अकादमिक कौशल वकिसति करने के लिये स्कूलों को पुरस्कार भी मलिया। प्लेटनिम पाने वाले स्कूलों को एक लाख रुपए, गोलड पाने वाले स्कूलों को 50 हजार रुपए और सलिवर पाने वाले स्कूलों को 25 हजार रुपए का पुरस्कार दया जाएगा।
- इस योजना का उद्देश्य स्वपरेरणा से अच्छे कार्य एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले शकषकों को प्रोत्साहति करना है। उन्हें देखकर और भी शकषक अच्छे से कार्य करने के लिये प्रेरति हो सकेंगे। अधिकि-से-अधिक शकषक सकारात्मक कार्य करने के लिये टीम बनाकर बेहतर माहौल बनाने में सफल होंगे।
- विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में अधिकि-से-अधिक स्कूलों को बेहतर स्कूलों के रूप में वकिसति करने की जवाबदेही लेने से सरकारी स्कूलों की छर्वा में अप्रत्याशति सुधार दखाई देगा और प्रदेश के सरकारी स्कूल असरकारी प्रभाव दखाने में सफल हो सकेंगे।
- यह योजना राज्य के सभी शासकीय प्राथमिक एवं मडिलि स्कूलों के लिये है। स्कूल के शकषक आपस में राय करके कभी भी योजना में शामिल हो सकते हैं। योजना में शामिल होने के लिये स्कूल को वेब-पोर्टल पर आवेदन करना होगा।
- स्कूलों के सभी शकषकों को साथ मलिकर स्कूल के सभी वदियार्थियों में अकादमिक कौशल वकिसति करना है। प्रमाण-पत्र के लिये पात्रता तभी होगी, जब पूरा स्कूल प्रमाण-पत्र का पात्र होगा। कसिी एक शकषक, एक वदियार्थी या एक कक्षा के लिये प्रमाण-पत्र नहीं होगा।
- जो स्कूल योजना में शामिल होंगे, उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिये अनुरोध करने पर ऑन डमिांड प्रशकषण तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। जनि स्कूलों को प्रमाण-पत्र मलिया, उन स्कूल में पढ़ाने वाले सभी शकषकों को भी प्रमाण-पत्र मलिया। प्रमाणीकरण की घोषणा थर्ड-पार्टी आकलन के तत्काल बाद वेब-पोर्टल पर की जाएगी। प्रमाण-पत्र स्वतंत्रता दविस तथा गणतंत्र दविस के अवसर पर समारोहपूर्वक प्रदान कया जाएगा।
- स्कूल के सभी वदियार्थियों का आकलन योजना के लिये स्वीकार कयि गए समस्त अकादमिक कौशल हेंतु कया जाएगा और कम-से-कम 95 प्रतशित वदियार्थियों में कक्षा अनुरूप अकादमिक कौशल होने पर ही उस कक्षा और उस अकादमिक कौशल के लिये स्कूल को 1 अंक मलिया।
- 95 प्रतशित से कम वदियार्थियों में कक्षा अनुरूप न्यूनतम अकादमिक कौशल मलिये पर उस कक्षा और अकादमिक कौशल के लिये शून्य अंक दया जाएगा।
- जनि संकुलों के 90 प्रतशित से अधिकि स्कूल 'सुघघर पढवईया' प्लेटनिम, गोलड या सलिवर, कसिी भी स्तर का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेंगे, उन्हें सुघघर पढवईया संकुल का प्रमाण-पत्र दया जाएगा।
- इसी प्रकार जसि वकिसखंड के 90 प्रतशित से अधिकि स्कूल सुघघर पढवईया प्लेटनिम, गोलड या सलिवर, कसिी भी स्तर का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेंगे, उन्हें सुघघर पढवईया वकिसखंड का प्रमाण-पत्र दया जाएगा। 90 प्रतशित या उससे अधिकि अंक पर प्लेटनिम, 85 प्रतशित या उससे अधिकि, परंतु 90 प्रतशित से कम अंक मलिये पर गोलड और 80 प्रतशित या उससे अधिकि, परंतु 85 प्रतशित से कम अंक मलिये पर सलिवर प्रमाण-पत्र दया जाएगा।
- यदिकोई स्कूल इस योजना में सलिवर या गोलड प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेता है तो वह स्कूल आगे और प्रयास करके सुघघर पढवईया गोलड या सुघघर पढवईया प्लेटनिम प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर सकता है। इस योजना में नरितर प्रगति का प्रयास कया जा सकता है। योजना में सभी स्कूल प्रयास करके सुघघर पढवईया प्लेटनिम प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं।